

जिर्मीदार पुं. (देश.) दे. जर्मीदार।

जिम्मा पुं. (अर.) 1. उत्तरदायित्व, जवाबदेही 2. देखरेख, सुपुर्दगी।

जिम्मावार पुं. (अर.) जबाबदेह, उत्तरदायी।

जिम्मावारी स्त्री. (अर.) 1. जवाबदेही, उत्तरदायित्व 2. सुपुर्दगी।

जिम्मी पुं. (अर.) एक कर जो मुगल काल में गैर-मुगलों को देना पड़ता था।

जिम्मेदार वि. (अर.) दे. जिम्मावार।

जिम्मेदारी स्त्री. (अर.) दे. जिम्मावार।

जिम्मेवार वि. (अर.) दे. जिम्मावार।

जिम्मेवारी स्त्री. (अर.) दे. जिम्मावारी।

जियरा पुं. (देश.) 1. मन, चित्त 2. जीव।

जियांकार स्त्री. (तत्.) 1. हानि पहुँचाने वाला 2. बुरा आचरण करने वाला।

ज़िया स्त्री. (अर.) 1. चमक, कांति, आभा 2. सूर्य का प्रकाश स्त्री. (तत्.) धाय, दूध पिलाने वाली पुं. (तद्.) दीदी, जीजी दे. जियरा।

जियाना स.क्रि. (देश.) 1. जिलाना 2. पालना, पोसना।

जिरह पुं. (अर.) 1. हुज्जत 2. फेरफार 3. चीरा 4. बहस मुहा. जिरह करना- बहुत अधिक पूछताछ करना स्त्री. (फा.) बख्तर, कवच, पोश।

जिरही वि. (फा.) कवचधारी।

जिराफ़ पुं. (अं.) घास के मैदानों का एक लंबी गर्दन वाला वन्य पशु।

जिला स्त्री. (अर.) चमक-दमक मुहा. जिला करना- चमकाना, माँजना पुं. (अर.) 1. प्रांत (क्षेत्र विशेष), प्रदेश 2. प्रशासनिक दृष्टि से किसी प्रदेश का एक भाग जो एक कलेक्टर या डिप्टी कमिश्नर के अधीन आता है 3. ऐसा मकान या स्थान जहाँ जर्मीदार के आदमी महसूल या कर वसूल करने के लिए ठहरा करते थे।

जिलाजज पुं. (अर.+अं.) जिले के प्रधान न्यायाधीश।

जिलादार पुं. (अर.+फा.) 1. लगान वसूल करने वाला अधिकारी 2. नहर-महकमे आदि का (किसी हलके में) काम करने वाला नियुक्त किया हुआ अधिकारी।

जिलाधीश पुं. (अर.+तत्.) जिला मजिस्ट्रेट, कलेक्टर, राजस्व विभाग का जिला स्तर का सर्वोच्च अधिकारी जो प्रशासन के सारे कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है।

जिलाना स.क्रि. (देश.) 1. जीवन देना, जीवित करना, जिंदा करना 2. प्राण-रक्षा करना 3. पालना-पोसना।

जिलाबदर पुं. (अर.) 1. जिले से बाहर करना 2. जिले से निकाल बाहर करना प्रयो. उस बदमाश को चुनाव के समय जिलाबदर कर दिया।

जिला बोर्ड पुं. (अर.+अं.) किसी जिले के करदाताओं के प्रतिनिधियों की सभा जिसका काम सड़कों की देखभाल करना, स्कूल चिकित्सालय आदि चलाना इत्यादि जिले के लिए भौतिक सुविधाएँ देना होता है।

जिला मजिस्ट्रेट पुं. (अर.+अं.) जिले का सबसे बड़ा हाकिम, जिलाधीश।

जिल्द स्त्री. (अर.) 1. किताब की रक्षा के लिए ऊपर चढ़ाया गया पट्टा या दफ्ती 2. चमड़ी, खाल 3. ऊपर का चमड़ा 4. पुस्तक की एक प्रति 5. पुस्तक का भाग या खंड।

जिल्दबंदी पुं. (अर.+फा.) किताबों पर जिल्द बाँधने का काम, जिल्दसाजी।

जिल्दसाज पुं. (अर.+फा.) वह व्यक्ति जो जिल्द बाँधता हो, जिल्दसाज।

ज़िल्लत स्त्री. (अर.) 1. अनादर, अपमान, रव्वारी तिरस्कार, बेइज्जती 2. पतन, चूक, त्रुटि, भूल, पाप, गुनाह 3. फिसलने की क्रिया 4. गुमराही, रास्ता भूल जाना।

जिल्होर पुं. (देश.) एक प्रकार का धान जो अगहन में सबसे पहले काट लिया जाता है।

जिवड़ा पुं. (देश.) दे. जीव।